International Journal of Geology, Agriculture and Environmental Sciences
Volume – 7 Issue – 1 January-June 2019
Website: www.woarjournals.org/IJGAES *ISSN: 2348-0254*

जयपुर जिले की शाहपुरा तहसील में पशुधन संसाधन

डॉ. के. एल. सिराधना, *सहायक प्रोफेसर, राजकीय कन्या महाविद्यालय, लालसोट, दौसा*
रामधन गुर्जर, *शोध छात्र, भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयुपर*

सारांशः

शाहपुरा तहसील विशेषतः कृषि प्रदेश है जो द्वि फसली क्षेत्र है। कृषि आधारित शाहपुरा की अर्थव्यवस्था में पशुधन का अत्यधिक महत्व है। अगर कहा जाये कि शाहपुरा में पाया जाने वाला पशुधन कृषि व्यवसाय का सर्वाधिक प्रगतिशील व लाभांश देने वाला महत्वपूर्ण अंग है यह कहने में तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। तहसील के कुछ समृद्ध किसानों को छोड़कर अधिकांश कृषक परिवार पशुपालन पर ही निर्भर है। शाहपुरा तहसील में पशुधन बहुउद्देशीय उपयोगी है क्योंकि कहीं यह पारिवारिक आवश्यकताएँ पूरी कर रहा है कहीं पशुओं से प्राप्त पदार्थ जैसे– चमड़ा, हड्डी, कृषि व खाल के विभिन्न उद्योग चल रहे हैं। तो कहीं पशुधन से प्राप्त दूध व्यवसाय पनप रहा है। शाहपुरा तहसील के लगभग सभी गॉवों में पशुओं की अच्छी तादाद पायी जाती है। इस शोध पत्र में शाहपुरा तहसील में पाये जाने वाले पशुधन वितरण का उल्लेख किया हैं। यह पशुधन गणना 2012 की पशुगणना पर आधारित है।

संकेतांकः *द्वि फसली, कृषि, अर्थव्यवस्था, पशुधन, व्यवसाय, लाभांश, कृषक, बहुउद्देशीय, पारिवारिक आवश्यकताऐं।*

परिचयः

किसी स्थान की भौगोलिक अवस्थिति एक महत्वपूर्ण तत्व है। जिसका प्रभाव उस क्षेत्र की न केवल जलवायु अपितु उस क्षेत्र के सम्पूर्ण विकास और वहॉ की गतिविधियों पर पड़ता है। जयुपर जिले की शाहपुरा तहसील राजस्थान के भौतिक विभाग पूर्वी मैदानी के उपार्द्र जलवायु खण्ड में स्थित है। यह स्थलाकृति सतही जलप्रवाह कम, समतल मैदान तथा भूमि मृदा के आवरण से यृक्त है। शाहपुरा तहसील की समुद्र तल से औसत ऊॅचाई 500 से 900 मीटर है। यह (शाहपुरा) अक्षांशीय विस्तार 27^0 37′ से 27^0 38′ उत्तरी अक्षांश तथा देशान्तरीय विस्तार 75^0 94′ से 75^0 95′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। शाहपुरा तहसील राजस्थान के पूर्वी भाग में विस्तृत जयपुर जिले के उत्तर पूर्व में स्थित है। यह तहसील पश्चिम में सीकर जिले के साथ जयपुर–सीकर जिलों की सीमा का निर्धारण करती है। सीकर जिले की श्रीमाधोपुर तहसील शाहपुरा तहसील के पश्चिम में स्थित है। तहसील के उत्तर–पूर्व में जयपुर जिले की विराटनगर तहसील स्थित है। तहसील के दक्षिण–पूर्वी भाग में आमेर तहसील स्थित है तथा उत्तरी भाग में कोटपूतली तहसील स्थित है। इस प्रकार जयपुर जिले की शाहपुरा तहसील की स्थिति अपना विशिष्ट स्थान रखती है।

शाहपुरा तहसील का क्षेत्रफल 530.96 वर्ग किलोमीटर है, जो कि राजस्थान के कुल क्षेत्रफल (3,42,239 वर्ग किलोमीटर) का 0.15 प्रतिशत है तथा जिले का 9.16 प्रतिशत क्षेत्रफल है। शाहपुरा तहसील में वर्ष 2001 में कुल जनसंख्या 226201 थी जिसमें 52.6 प्रतिशत पुरूष एवं 47.4 प्रतिशत महिलाऐं तथा 2011 में जनसंख्या 272632 हो गयी है, जिसमें 52.6 प्रतिशत पुरूष एवं 47.4 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। इस जनसंख्या का वितरण शाहपुरा तहसील के सभी गांवों में समान नही है क्योंकि जनसंख्या वितरण पर उच्चावच, जलवायु, मिट्टी, धरातल, जलापूर्ति, आर्थिक संसाधन (परिवहन, खनिज), सामाजिक–सांस्कृतिक आदि कारक प्रभावित करते हैं।

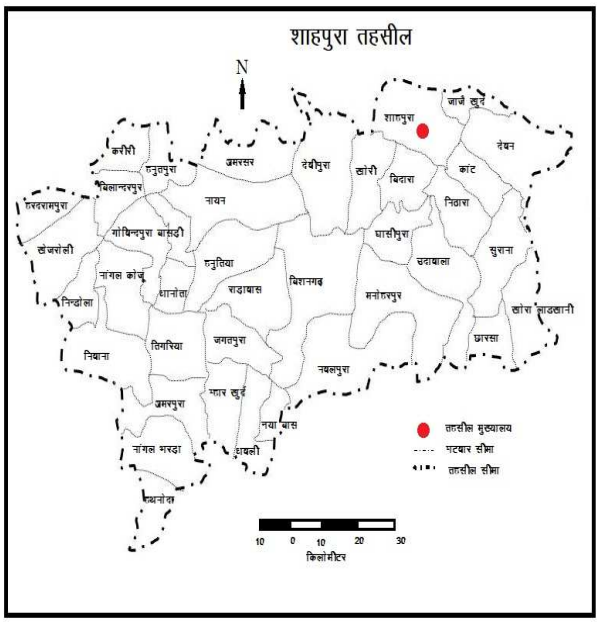

चित्र सं. 1 : शाहपुरा तहसील सीमा क्षेत्र

शाहपुरा तहसील के सभी गॉवों में पशुओं की अच्छी संख्या पायी जाती है, परन्तु सर्वाधिक पशु संख्या करीरी गाँव में 18,396 और न्यूनतम पशु संख्या चक सांगा का बास गाँव में 1200 पायी जाती हैं। पशुधन वितरण के आधार पर शाहपुरा तहसील को चार श्रेणियों में बांटा गया है–

(1) अधिक पशुधन वाले गांव (5000 पशु से अधिक)

(2) सामान्य पशुधन वाले गांव (2000–5000 के मध्य)

(3) न्यून पशुधन वाले गांव (2000 पशु से कम)

(4) आवारा पशु।

पशुधन का वितरणः–

अधिक पशुधन वाले गॉवः–

इस श्रेणी में शाहपुरा तहसील के उन गॉवों को समेकित किया गया है। जहॉ पशुओं की संख्या 5000 से अधिक पायी जाती है। ऐसे गॉवों में करीरी (18116), बिलान्दरपुर (5902), राड़ावास (7822), धानोता (9151), खोरी (7500), बिशनगढ़ (8500), हनुतपुरा (8050), नाथावाला (5097), नवलपुरा (5882), रामपुरा (5075), छापुड़ा कलॉ (8901), नयाबास (6050), धवली (6225), लेट का बास (5730), बिदारा (5000), उदावाला (8000), चिमनपुरा (5914), निठारा (7623) इत्यादि शामिल हैं। इन गॉवों में दुग्ध संकलन भी अधिक होता है।

इन सभी गॉवों का संकलित व संग्रहित दूध प्लांटों पर जाता है तत्पश्चात् टैंक व गाड़ियॉ के माध्यम से सरस डेयरी भेजा जाता हैं।

सामान्य पशुधन वाले गॉवः–

इस श्रेणी में वे गॉव सम्मिलित हैं जहॉ पशुधन की कुल संख्या 2000 से 5000 के मध्य है। ऐसे गॉवों में श्योसिंहपुरा (4614), गुलाबबाड़ी (4019), आमलोदा (2134), हनुतपुरा (2000), देवीपुरा (3355), टोड़ी (2150), कल्याणपुरा (4073), माधो का बास (4250), रानीपुरा (4100), खोजावाला (3320), हनुतिया (3050), लोचूकाबास (4250), जोधपुरा (2990), चतरपुरा (4215), रामचन्द्रपुरा (4848), गोना का सर (4916), पीपलोद नारायण (2999), पटेल नगर (3658) इत्यादि है। इन सभी गॉवों में दुग्ध उत्पादक समितियॉ स्थापति है। जो कृषकों से वाजिब दाम पर खरीद कर उन्हें समितियों के कुल लाभांश में से हिस्सा देती है।

न्यून पशुधन वाले गॉवः–

इस श्रेणी के गॉवों में दुग्ध उत्पादन कम होता है। यहॉ का दुग्ध उत्पादन स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति में ही खपत हो जाता है। इन गॉवों में कुल पशुओं की संख्या 2000 से कम होती है। इस श्रेणी के गॉवों में चक हनुतपुरा (1853), चक सांगा का बास (1200), भानीपुरा (1448), स्वामीपुरा (1750) आदि गॉव हैं।

उपर्युक्त पशुओं के अलावा शाहपुरा तहसील में आवारा पशुओं की संख्या भी काफी पाई जाती है। जिसे पशुधन की चौथी श्रेणी में शामिल किया गया है।

आवारा पशुः–

शाहपुरा तहसील के गॉवों में आवारा पशु भी पाये जाते हैं। इन पशुओं में वे पशु शामिल हैं– जो या तो विकलांग है या जिन पशुओं की आयु अधिक हो जाने पर उनसे दुग्ध उत्पादन नहीं होता है। इस श्रेणी में तहसील के लगभग सभी गॉव सम्मिलित है। परन्तु आवारा पशुओं की अधिकतम संख्या अमरसर (1500) और न्यूनतम संख्या अमरपुरा (150) में है। इसके अलावा शाहपुरा (280), बिदारा (300), राजपुरा (220), राड़ावास (150) इत्यादि आवारा पशु पाए गए।

इन आवारों पशुओं के कारण कई बार सड़क दुर्घटनाएँ भी हो जाती है। अतः शाहपुरा नगरपालिका में इन पशुओं को पकड़कर गौ शालाओं में भेजने का अभियान चला रखा है।

सारणी 1:

शाहपुरा तहसील का कुल पशुधन

क्र. सं.	गांव का नाम	गाय, भैंस व बैल	भेड़–बकरियां	योग
1	करीरी	15792	2324	18116
2	बिलान्दरपुर	3252	2650	5902
3	श्योसिंहपुरा	2506	2108	4614
4	चक हनुतपुरा	546	1307	1853
5	गुलाबबाड़ी	1210	2809	4019
6	आमलोदा	546	1307	1853
7	राड़ावास	1842	5980	7822
8	घासीपुरा	1000	1000	2000
9	देवीपुरा	2370	985	3355
10	धानोता	2139	7012	9151
11	खोरी	1500	6000	7500
12	बिशनगढ़	2500	6000	8500
13	चक सांगाकाबास	740	460	1200
14	बाड़ीजोड़ी	1020	2501	3521
15	छारसा	1950	1380	3330
16	टोडी	850	1300	2150

17	कल्याणपुरा	1195	2878	4073
18	भानीपुरा	608	840	1448
19	हनुतपुरा	4050	4000	8050
20	माधो का बास	800	3000	3800
21	रानीपुरा	1000	1500	2500
22	नाथावाला	1797	3300	5097
23	स्वामीपुरा	1150	600	1750
24	सुराणा	3500	600	4100
25	कुम्भावास	4382	1500	5882
26	रामपुरा	1365	3710	5075
27	खोजावाला	1470	1850	3320
28	छापुड़ा कलाँ	3450	5451	8901
29	नया बास	1550	4500	6050
30	धवली	1225	5000	6225
31	हनुतिया	750	2300	3050
32	लोचूकाबास	1050	3200	4250
33	चतरपुरा	1415	2800	4215
34	जोधपुरा	1550	1400	2900
35	लेटकाबास	2630	3100	5730
36	बिदारा	3000	2000	5000
37	रामचन्द्रपुरा	2500	2348	4848
38	गोना का सर	2166	2750	4916
39	पीपलोद नारायण	1000	1999	2999
40	पटेल नगर	1210	2448	3658
41	उदावाला	3000	5000	8000
42	चिमनपुरा	2101	3813	5914
43	निठारा	3600	4023	7623

स्त्रोत :– शाहपुरा तहसील कार्यालय, शाहपुरा, जयुपर

शाहपुरा तहसील के दुधारू पशुओं में भैंसों की संख्या अधिक है। शाहपुरा तहसील में विश्व की श्रेष्ठतम नस्ल की भैंसे मुर्रा पाली जाती है। जो प्रतिदिन 30 से 50 लीटर दुध देती है। इसके अलावा यहॉ सुरती व जाफराबादी नस्लों की भैंसे भी बहुतायत से पाली जाती हैं जिनसे प्राप्त दूध में वसा की मात्रा अधिक होती है और यें भैंसे दुग्ध व्यवसाय के लिए अति उपयोगी हैं।

शाहपुरा तहसील में गायों की भी काफी संख्या पायी जाती है जिनमें थारपारकर, राठी, नागौरी व कांकरेज नस्ल की गाय मुख्यतः पाली जाती हैं। शाहपुरा तहसील की जलवायु स्वास्थ्यवर्द्धक होने के कारण यहॉ प्रमुख विदेशी नस्लों की गायें भी पाली जाती है। जैसेः– जर्सी, होलिस्टिन, फिजियन इत्यादि। इन नस्लों का दूध अधिक गाढ़ा व पौष्टिक होता है। गाय व भैसों के अलावा शाहपुरा तहसील का तीसरा मुख्य दुधारू पशु बकरी है। बकरी कम खर्च में अधिक दूध देती है। इसलिए बकरी को ''गरीब की गाय'' कहा जाता है। शाहपुरा तहसील में पायी जाने वाली बकरी की प्रमुख नस्लें– सिरोही, मारवाड़ी व जखराना है।

उपर्युक्त उल्लेख से पता चलता है कि शाहपुरा तहसील में दुधारू व श्रेष्ठ नस्लों के पशुओं का पालन किया जाता है। जिनसे दुग्ध संकलन अधिक होता है। अतः दुधारू पशुओं की बहुतायत के कारण भी शाहपुरा तहसील में दुग्ध उद्योग अधिक विकसित हुआ है।

गौशाला विकास कार्यक्रमः–

राजस्थान में वर्तमान में लगभग 1000 गौशालाएं है जिसमें से लगभग 700 गौशालाऐं पंजीकृत हैं तथा पॉच गौ सदन एवं दो शीर्ष संस्था क्रमशः 'राजस्थान गौशाला फैडरेशन' तथा 'राजस्थान गौसेवा आयोग' जयपुर में कार्यरत हैं। पंजीकृत गौशालाओं में 2.98 लाख पशु तथा बिना पंजीकृत गौशालाओं में लगभग 1,50,000 पशुओं का पालन–पोषण किया जा रहा है। अकालग्रस्त समय में इन गौशालाओं में पशुओं की संख्या बढ़ जाती है। राजस्थान में 5 गौ सदन कार्यरत है। गौसदन में प्रत्येक पशु को 20 रू. प्रतिमाह व 20 रू. परिवहन व्यय के लिए अनुदान दिया जाता है।

सारणी : 2

शाहपुरा तहसील में गौशालायें

क्र. सं.	गौशाला	स्थान	पं. सं.	पंजीयन दिनांक
1	श्रीकृष्णा गौशाला	उदावाला	506	31.03.2003
2	पूर्णिमा गौशाला	धानोता	114	18.04.1994
3	श्याम गौशाला	करीरी	603	03.03.2004
4	हनुमान गौशाला	सारंगपुरा	AJ 33	25.07.1966
5	श्रीराम गौशाला	नायन	975	25.05.2009
6	श्री नारायण दास जी महाराज गौशाला	घासीपुरा	1069	03.06.2010

स्त्रोतः राजस्थान गौशाला संघ, राजस्थान।

गौशालाओं में गौ नस्लों को सुधारने के लिए ''पशु पालन विभाग व राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड'' के माध्यम से उपलब्ध करवाये गए। सभी गौशालाओं में पशु चिकित्सा, कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण, चारा उत्पादन इत्यादि पशु चिकित्सकों की देखरेख में क्रियान्वित किये जा रहे हैं। महिने में एक बार उपनिदेशक गौशाला का निरीक्षण करते हैं। गौशाला संगठन ने विगत वर्षों में कई उपलब्धियॉ प्राप्त की। अनावश्यक गौधन को रोकने हेतु 5000 बंधियाकरण किये है और श्वेत क्रान्ति को प्रारम्भ कर 400 सॉड, राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड व अन्य कार्यों से निःशुल्क व शुल्क सहित वितरण की व्यवस्था की। वर्ष 2005 में टीकाकरण पर अधिक बल दिया गया।

निष्कर्ष

शाहपुरा तहसील में गायों की अपेक्षा भैंसों की संख्या अधिक है। यहॉ के कुल दुग्ध उत्पादन का लगभग 65 प्रतिशत दूध भैंसों से ही प्राप्त होता है। भैसों के दूध में वसा की मात्रा 6.5 प्रतिशत से 8. 5 प्रतिशत होती है। भैसों में निम्न स्तर के सूखे चारों जैसेः– भूसा, कडबी आदि को ग्रहण कर पचाने की क्षमता गायों से अधिक होती है।

शाहपुरा तहसील दुग्ध उद्योग के विकास में अग्रसर है। शाहपुरा तहसील पशुओं की चिकित्सकीय जॉच एवं पशुओं क्रय–विक्रय के लिए पशु शिविरों का आयोजन किया जाता है। शाहपुरा तहसील के मुख्य नगर शाहपुरा में पशु शिविर दो स्थानों पर लगाये जाते हैं–

1. अनाज मण्ड़ी और
2. त्रिवेणी गौशाला ।

संदर्भ :

1. जिला गजेटियर, जिला जयपुर (1998)
2. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जयपुर (2015)
3. जनगणना रिपोर्ट, 2001–2011, जिला जयुपर
4. सक्सेना हरिमोहन, राजस्थान का भूगोल, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी वर्ष 2016 पृ.8
5. राजस्थान गौशाला संघ, राजस्थान।
6. शाहपुरा तहसील कार्यालय, शाहपुरा, जयुपर